चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक जागरण.....

दिनांक ..01-10-2020...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4-6.....

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। डायरेक्टर फार्म के निदेशक डा. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप शारीरिक दूरी को बनाते हुए सैनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। इसके अलावा मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध : डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, एचडी-3226, एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डब्ल्यूएच-1184 व डब्ल्यूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

इस बार नहीं बढ़ाए बीजों के रेट

डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़। ● पीआरओ

डायरेक्टर फार्म के निदेशक डा. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि इस बार कोविड-19 के चलते व किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के बीजों का रेट नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से गेहूं के सर्टिफाइड बीज पर 10 रुपये प्रति किलोग्राम, जौ के सर्टिफाइड बीज पर 15 रुपये प्रति किलोग्राम, चने के सर्टिफाइड बीज पर 25 रुपये प्रति किलोग्राम व सरसों के सर्टिफाइड बीज पर 40 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी प्रदान की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 01-10-2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6-8

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

भास्कर न्यूज़| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी को बनाते हुए सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। किसान बीज वितरण खिड़की पर आते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करें। डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विवि में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, एचडी-3226,एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डब्ल्यूएच-1184 व डब्ल्यूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... हरि भूमि .....

दिनांक ..01-10-2020..पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....4-5.....

हकृवि ने नहीं बढ़ाए रबी फसलों के बीजों के रेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सांय 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। इस बार कोविड-19 के चलते व किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के बीजों का रेट नहीं बढ़ाया गया है। यह जानकारी देते हुए डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी को बनाते हुए सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि किसान बीज वितरण खिड़की पर आते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करें। **इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध:** विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्लयूएच-711, डब्लयूएच-1105, डब्लयूएच-1124,एचडी-3226,एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डब्ल्यूएच-1184 व डब्लयूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून....

दिनांक ....01-10-2020....पृष्ठ संख्या....7....कॉलम....1-2....

हकृवि का फैसला, नहीं बढ़ेंगे रबी बीजों के भाव

हिसार, 30 सितंबर (निस)

कोरोना के चलते किसानों को राहत देने के लिए हकृवि ने इस बार रबी फैसलों के बीज के दाम ना बढ़ाने का फैसला लिया है और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा लुदार रोड स्थित कार्यालय काउंटर व गेट नंबर 4 पर बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्रों पर कार्यदिवस के दौरान सुबह 9 से शाम 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने बताया कि विवि में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ०१-१०-२०२०..पृष्ठ संख्या.....१.....कॉलम.....५.....

एचएयू में बीज बिक्री शुरू, खरीद सकेंगे गेहूं, सरसों, चना व जौ के बीज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी की फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी गई है। किसान गेहूं, सरसों, चना और जौ आदि फसलों के उन्नत किस्मों के बीज विश्वविद्यालय के गेट पर चार पर स्थित एटिक सेंटर और लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल काउंटर से खरीद सकते हैं। फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी रखें मास्क का उपयोग करें। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	**01.10.2020**	--	--

आपका शहर-आपकी खबर

हैलो हिसार

प्रथम आश्विन, पूर्णिमा, शुक्ल पक्ष

आज का तापमान
अधिकतम 38
न्यूनतम 23

GOOD MORNING वीरवार, 0 1 अक्टूबर, 2020 वर्ष 5 अंक 270 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से सांय 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। यह जानकारी देते हुए डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रात: 9 बजे से सांय 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी को बनाते हुए सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि

किसान बीज वितरण खिड़की पर आते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध

डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्लयूएच-711, डब्लयूएच-1105, डब्लयूएच-1124,एचडी-3226,एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डबल्यूएच-1184 व डब्लयूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**30.09.2020**	--	--

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से सायं 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। यह जानकारी देते हुए डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्लयूएच-711, डब्लयूएच-1105, डब्लयूएच-1124,एचडी-3226, एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डबल्यूएच-1184 व डब्लयूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**30.09.2020**	--	--

कोरोना के चलते नहीं बढ़ाए रबी फसलों के बीजों के रेट

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से सांय 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि इस बार कोविड-19 के चलते व किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के बीजों का रेट नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से गेहूं के सर्टिफाइड बीज पर 40 रूपये प्रति किलोग्राम, जौ के सर्टिफाइड बीज पर 15 रूपये प्रति किलोग्राम, चने के सर्टिफाइड बीज पर 40 रूपये प्रति किलोग्राम व सरसों के सर्टिफाइड बीज पर 40 रूपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी प्रदान की जाती है। डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रात: 9 बजे से सांय 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आहवान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी को बनाते हुए सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि किसान बीज वितरण खिड़की पर आते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करें। डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्लयूएच-711, डब्लयूएच-1105, डब्लयूएच-1124,एचडी-3226,एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डबल्यूएच-1184 व डब्लयूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	**30.09.2020**	--	--

कोरोना के चलते नहीं बढ़ाए रबी फसलों के बीजों के रेट

एचएयू में किसानों को सुबह 9 से सांय 4 बजे तक मिलेंगे रबी फसलों के बीज

पांच बजे ब्यूज

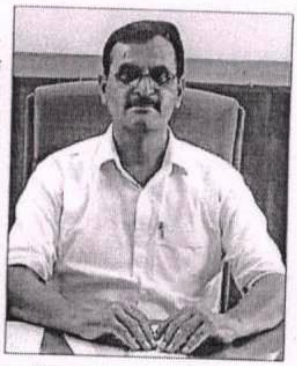

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए बीजों की बिक्री शुरू कर दी है। यह जानकारी देते हुए डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 व लुदास रोड स्थित कार्यालय के सेल कॉउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सांय 4 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे बीज वितरण खिड़की के समीप सामाजिक दूरी को बनाते हुए सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि किसान बीज वितरण खिड़की पर आते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध

डायरेक्टर फार्म के निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में सरसों, चना, गेहूं और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर सरसों का आरएच-725 व आरएच-30 का फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज, आरएच-749 का सर्टिफाइड व टीएफएल और आरएच-406 का फाउंडेशन बीज उपलब्ध है। चने का एचसी-5 टीएफएल और फाउंडेशन बीज जबकि एचसी-1 का सर्टिफाइड बीज उपलब्ध है। गेहूं की सी-306 (देशी), डब्लयूएच-711, डब्लयूएच-1105, डब्लयूएच-1124,एचडी-3226,एचडी-3086, एचडी-2967 का सर्टिफाइड बीज जबकि डबल्यूएच-1184 व डब्लयूएच-1124 का टीएफएल बीज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सरसों का बीज 3 और 5 किलोग्राम की पैकिंग में, चने का बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में, जौ का बीज 35 किलोग्राम की पैकिंग में और गेहूं का बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध होगा।

इस बार नहीं बढ़ाए बीजों के रेट

डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने बताया कि इस बार कोविड-19 के चलते व किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के बीजों का रेट नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से गेहूं के सर्टिफाइड बीज पर 10 रूपये प्रति किलोग्राम, जौ के सर्टिफाइड बीज पर 15 रूपये प्रति किलोग्राम, चने के सर्टिफाइड बीज पर 25 रूपये प्रति किलोग्राम व सरसों के सर्टिफाइड बीज पर 40 रूपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी प्रदान की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक ....01-10-2020.... पृष्ठ संख्या......7...... कॉलम......1-5......

रिसर्च • वाराणसी के भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने विकसित की पंखिया सेम की नई प्रजाति, एचएयू के वेबिनार में वैज्ञानिकों ने दी जानकारी

पंखिया सेम की नई प्रजाति से प्रति हेक्टेयर 3 लाख रु. की आमदनी करेंगे किसान; फली, पत्तियों के साथ जड़, तने और बीज का भी खाने में हो सकेगा प्रयोग

महबूब अली | हिसार

किसानों के लिए खुशखबरी है। पंखिया सेम की नई प्रजाति से किसान प्रति हेक्टेयर 3 लाख रुपये तक की आमदनी कर सकते है। इस नई प्रजाति में प्रोटीन की मात्रा भी अधिक होती है। हाल ही में वाराणसी के भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने पंखिया की उक्त पंखिया सेम प्रजाति विकसित की है। एचएयू द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वेबिनार में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ने सेम की नई प्रजाति के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सेम की फसल लेने के लिए एक हेक्टेयर खेत में 20 से लेकर 30 किलोग्राम बीज की जरूरत पड़ती है। बीज को खेत में बोने से पहले कार्बेडाजिम या थिरम 2 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम ले कर शोधित कर लेना चाहिए। सेम की बुवाई उठी हुई क्यारियां में होनी चाहिए।

विकसित प्रजाति की खासियत

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. जगदीश सिंह बताते है कि सेम की इस प्रजाति में 2.5 प्रति ग्राम प्रोटीन की मात्रा प्रति 100 ग्राम में पाई जाती है। साथ ही इस के सूखे बीज में 30 से लेकर 40 फीसदी प्रोटीन की मात्रा उपलब्ध है। इसके सूखे बीज से 15 से 2र0 फीसदी तेल निकाला जा सकता है। साथ ही एक फली से 15 से लेकर 20 बीज भी हासिल किए जा सकते है। इसकी फलियों की लंबाई 15-20 सेमी तक पाई गई है। इस सेम की फलियों में चारों किनारों पर पंखनुमा आकार होता है, जिससे इसे पंखिया सेम के नाम से जाना जाता है। यह किस्म रेशे की प्रचुरता कोलैस्ट्रोल की मात्रा को खुद कम करने में भी समक्ष है।

पा सकेंगे कम लागत में अधिक आमदनी

डा. जगदीश बताते है कि यह किस्म किसानों की ज्यादा आमदनी को ध्यान में रखकर तैयार कराई गई है। यह आय का न केवल जरिया बनेगी बल्कि इस से कम लागत से प्रति हेक्टेयर 2 से 3 लाख रुपये तक की आमदनी हो सकेगी।

आलू और शकरकंद से भी ज्यादा प्रोटीन

वैजिटेबल साइंस के वरिष्ट वैज्ञानिक डा. राकेश कुमार दुबे के अनुसार विकसित सेम की इस किस्म के फूलों को सलाद, पत्तियों व फलीं को सब्जी के रुप व जड़ को उबाल कर या भून कर खाया जा सकता है। इसके अंदर आलू, शकरकंद और ऐसी कंद वाली सब्जियों से भी ज्यादा प्रोटीन होता है।

खेती की तैयारी ऐसे करें

वैज्ञानिक डा. राकेश कुमार के अनुसार पंखिया सेम की बुवाई के पहले खेती की जुताई कल्टीवेटर, हैरो से कर मिट्टी को भुरभुरा बनाकर पाटा लगा देना चाहिए। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त मात्रा में नमी उपलब्ध होनी चाहिए।

सेम की नई प्रजाति किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगी। एच ए यू समय समय पर किसानों को आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से फसलों की बुवाई से लेकर स्टार्टअप शुरू करने की ट्रेनिंग देता है।

-प्रो समर सिंह, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 01-10-2020.....पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....1-4.....

उत्तम खेती के लिए पोषक तत्वों की कमी पहचान विशेषज्ञों की सलाह पर उपचार करें

▪ पौधों को बढ़वार के लिए चाहिए होते हैं 16 तरह के पोषक तत्व

▪ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ ने किसानों को सुझाए उपचार

राकेश कुमार | गढ़ी बीरबल

किसानों को उत्तम खेती और अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए भूमि का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है कि पौधे की बढ़वार अच्छे से हो, इसके लिए भूमि में पोषक तत्वों की कमी को पहचानकर उसे विशेषज्ञों से जानकारी लेनी चाहिए। पौधों की बढ़वार के लिए 16 पोषक तत्व जरूरी होते हैं। तीन तत्त्व-कार्बन, हाईड्रोजन व आक्सीजन, पौधे वायुमण्डल व जल से प्राप्त करते हैं। बाकि सभी तत्व नाईट्रोजन, फास्फोरस पोटाश कैल्शियम, मैग्नीशियम, गंधक, जस्ता, लोहा तांबा, मैगनीज, मोलिबिडनम तथा बोरोन भूमि से मिलते हैं। हरियाणा की भूमि में अक्सर नाईट्रोजन, फास्फोरस तथा जस्ते की कमी पाई जाती है। वहीं लगातार सघन खेती से भूमि में पोटाश की भी कमी होने लगी है। इसके अतिरिक्त जिन मृदाओं में पीएच मान एवं कैल्शियम कार्बोनेट अधिक हो वहां गर्मी के मौसम में तापमान अधिक तथा पानी की कमी होने पर में लोहे की कमी के लक्षण भी दिखाई देते हैं। इस बारे में डॉ. विजय कुमार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने बताया कि किसान कैसे किसान फसल के लिए फसल में पोषक तत्त्वों के कार्य एंव उनकी कमी के लक्षण देखकर उनका उपचार कर सकते हैं।

फसल में इन पोषक तत्वों की कमी को ऐसे कर सकते हैं दूर

1. नाइट्रोजन: नाइट्रोजन अमीनो एसिड प्रोटीन के निर्माण के लिए आवश्यक होता है। नाइट्रोजन की कमी से पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है व पौधे पतले रह जाते हैं व फसल का फुटाव कम होता है। पुरानी पत्तियां कम आयु में पीली पड़ जाती हैं। इसके उपचार के लिए 3 प्रतिशत यूरिया का छिडकाव 10-15 दिनों के अंतर पर करें।

2. फास्फोरस: फास्फोरस की कमी से पौधों में जडें कम बनती हैं तथा पौधों की बढवार कम हो जाती है और पौधों का रंग नीला हरा दिखाई देता है तथा बाद में पुरानी पतियां लाल भूरे रंग की दिखाई पड़ती हैं। पत्तियां पतली हो जाती हैं। उपचार के लिए किसान 45 किलो ग्राम डीएपी/एकड पौधो की लाईन के साथ डालकर सिचाईं करें।

3. पोटाश: पोटाश पौधे में भोजन बनाने तथा भोजन को विभिन्न भागों तक पहुंचाने में सहायक होता है। पोटाश की कमी के लक्षण आमतौर पर पहले पुराने पत्तों पर दिखाई देते हैं जबकि छोटी पत्तियों में आमतौर पर हरे रंग के बने रहते हैं। लक्षण एक पीले क्लोरोसिस के रूप में शुरू होता है पुरानी पत्तियों की नोक पीली पड़ जाती है। इसके उपचार के लिए 30-35 किलो मयुरेट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ खेत में डालकर मिट्टी में मिला दें।

1. फास्फोरस की कमी से प्रभावित गन्ने की फसल। 2. पोटाश की कमी से हल्की भूरी व पीली हुई पत्तियां, 3. लोहे की कमी से प्रभावित हुई पत्तियां।

4. सल्फर: सल्फर की कमी नई पत्तियों में दिखाई देती है। पत्तियों में पीलापन आ जाता है। सारी की सारी पत्ती पीली पड जाती है लेकिन पत्तियां सुखती नहीं। उपचार इसके सल्फर की कमी को मिट्टी परिक्षण के आधार पर जिप्सम डालकर पूरा किया जाता है।

5. जिंक (जस्ता): हल्की भूमि में जहां जैविक कार्बन कम होता है वहां अक्सर जिंक की कमी पाई जाती है। उपचार के लिए तब 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट और 2.5 प्रतिशत यूरिया को घोल फसल पर 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पर करने से कमी के लक्षण दूर हो जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......

दिनांक ...01-10-2020... पृष्ठ संख्या......11......कॉलम......6-8......

कृषि वैज्ञानिकों ने किया कपास के खेतों का निरीक्षण

■ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जांडली कलां में कपास खेत दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा गांव जाण्डली कलां में कपास खेत दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विषय सम्बंधित जानकारी दी और कपास खेत का निरीक्षण भी किया गया। इस गांव में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कपास के प्रदर्शन प्लाट लगाए गए थे। किसानों को संबोधित करते हुए डॉ. संतोष कुमार ने किसानों से पोटाशियम नाइट्रेट के छिड़काव का कपास के पौधे पर फायदे के बारे में जानकारी दी।

फतेहाबाद। कपास के खेतों का निरीक्षण करते कृषि वैज्ञानिक।